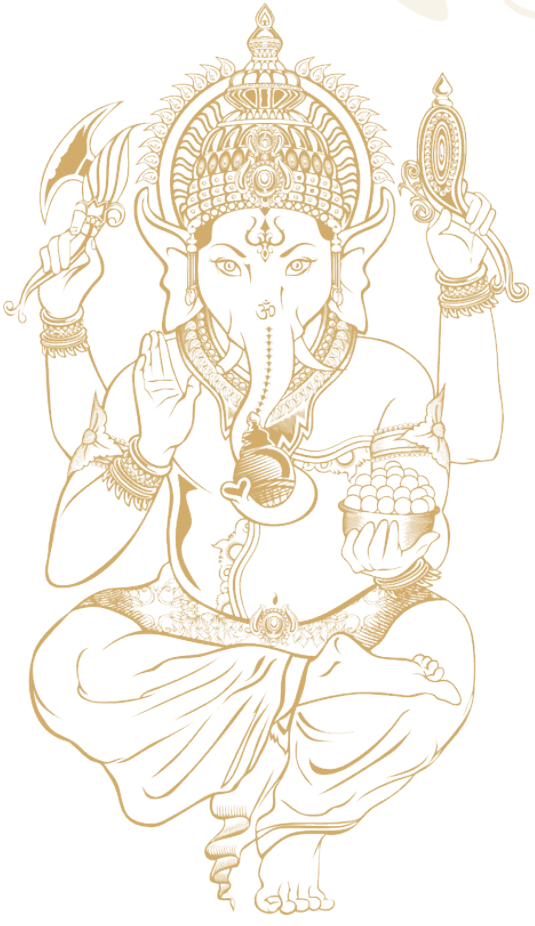

# Hemant soni

# Bhumika Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121390204

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 19/12/1996 | जन्म तिथि | 17/02/2004 |
| गुरुवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 13:15:00 | जन्म समय | 10:20:00 घंटे |
| घटी 15:35:42 | जन्म समय(घटी) | 08:25:07 घटी |
| India | देश | India |
| Khargone | स्थान | Dhar |
| 21:49:00 उत्तर | अक्षांश | 22:32:00 उत्तर |
| 75:39:00 पूर्व | रेखांश | 75:24:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:27:24 | स्थानिक संस्कार | -00:28:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:00:43 | सूर्योदय | 06:59:39 |
| 17:48:37 | सूर्यास्त | 18:25:32 |
| 23:48:54 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:54:42 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 2वर्ष 3मा 27दि | | 19:25:58 | मीन | लग्न | मेष | 07:45:04 | शुक्र 7वर्ष 0मा 8दि | |
| शुक्र | | 03:52:46 | धनु | सूर्य | कुंभ | 03:56:35 | चन्द्र | |
| 17/04/2006 | | 28:10:32 | मीन | चंद्र | धनु | 21:59:05 | 24/02/2017 | |
| 17/04/2026 | | 00:44:11 | कन्या | मंगल | मेष | 14:52:11 | 25/02/2027 | |
| शुक्र | 17/08/2009 | 23:44:56 | धनु | बुध | मक | 21:50:59 | चन्द्र | 26/12/2017 |
| सूर्य | 17/08/2010 | 28:28:06 | धनु | गुरु व | सिंह | 22:04:56 | मंगल | 27/07/2018 |
| चन्द्र | 17/04/2012 | 08:47:37 | वृश्चि | शुक्र | मीन | 16:04:57 | राहु | 26/01/2020 |
| मंगल | 17/06/2013 | 07:01:14 | मीन | शनि व | मिथु | 12:43:32 | गुरु | 27/05/2021 |
| राहु | 17/06/2016 | 10:26:53 | कन्या व | राहु व | मेष | 20:47:38 | शनि | 26/12/2022 |
| गुरु | 16/02/2019 | 10:26:53 | मीन व | केतु व | तुला | 20:47:38 | बुध | 27/05/2024 |
| शनि | 17/04/2022 | 08:46:53 | मक | हर्ष | कुंभ | 08:35:30 | केतु | 26/12/2024 |
| बुध | 15/02/2025 | 02:33:45 | मक | नेप | मक | 19:30:50 | शुक्र | 26/08/2026 |
| केतु | 17/04/2026 | 10:07:21 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 27:58:07 | सूर्य | 25/02/2027 |

**लग्न-चलित**

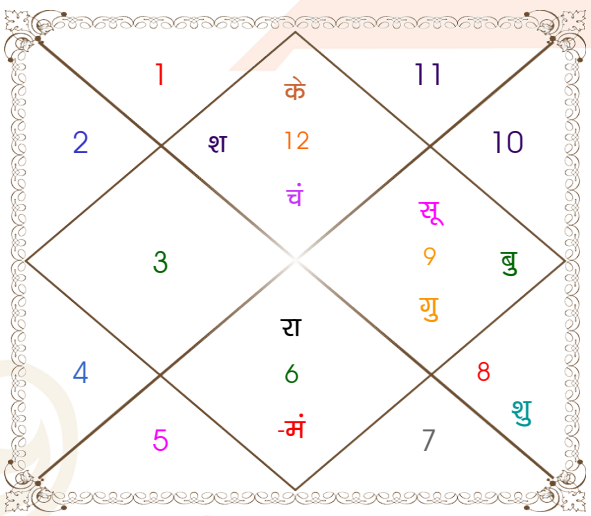


**लग्न-चलित**

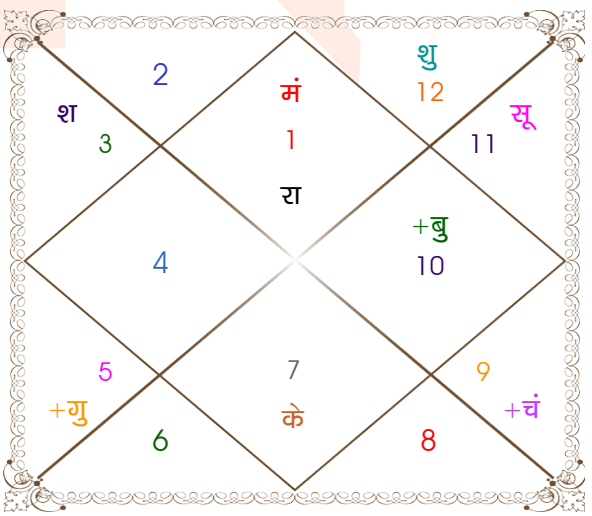

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | धनु | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 31.50 | | |

भ्मउंदज`वदप का वर्ग सिंह है तथा ठीनउपॉ`वदप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्मउंदज`वदप और ठीनउपॉ`वदप का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

भ्मउंदज`वदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु भ्मउंदज`वदप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठीनउपॉ`वदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ठीनउपॉ`वदप कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ठीनउपाै वदप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ठीनउपांै वदप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ठीनउपाै वदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि भ्मउंदज वदप कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्मउंदज वदप तथा ठीनउपाै वदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।